नदियों में उमड़ी आस्था, नियमों का हुआ विसर्जन

पहाड़ से लेकर भाबर तक नदियों में विसर्जित की गईं केमिकलयुक्त मूर्तियां जलीय जंतुओं व पानी के लिए खतरा

ललित मोहन बेलवाल ● जागरण

हल्द्वानी: बदलते दौर के साथ आस्था का रूप बदल गया है, लेकिन यह पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। खास तौर पर मूर्ति विसर्जन की परिपाटी जल स्रोतों, जलीय जीवों और पेयजल तीनों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है। यह तब है, जब ऋग्वेद में नदियों की पवित्रता, पूजन और महत्ता का वर्णन किया गया है, लेकिन अब आस्था के साथ खिलवाड़ हो गया है और इसका अंधानुकरण भी किया जा रहा है। यही नजारा बुधवार को भी देखने को मिला, जब पहाड़ से लेकर भाबर तक नदियों में प्लास्टर आफ पेरिस, केमिकल युक्त मूर्तियों का विसर्जन किया गया। रानीबाग में प्लास्टिक समेत अन्य पूजन सामग्री भी नदी में बहा दी गई। इनसे नदी में जहरीले रसायन और भारी धातु घुलते हैं, जो बेहद घातक हैं।

फिल्टराइजेशन के बाद भी नहीं हटते माइक्रोप्लास्टिक : भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु में सीनियर रिसर्चर डा. भाष्कर सिंह बोहरा बताते हैं कि वर्तमान में मूर्तियों के निर्माण में प्रयुक्त पीओपी, सिंथेटिक पेंट, रासायनिक रंग, प्लास्टिक और ग्लिटर का इस्तेमाल किया जाता है। इनमें मौजूद लेड, क्रोमियम और कैडमियम जैसी भारी धातुएं जलीय जीवों, मछलियों के लिए जान का जोखिम पैदा करती हैं। वहीं प्लास्टिक, ग्लिटर व कृत्रिम सजावटी सामग्री टूटकर माइक्रोप्लास्टिक में बदल सकती हैं। यही नहीं गौला नदी से पानी फिल्टर करके घरों में पेयजल के रूप में भेजा जाता है। कुछ भारी धातुओं और माइक्रोप्लास्टिक को फिल्टराइजेशन के बाद भी नहीं हटाया जा सकता है। यही वजह है कि मानव शरीर में माइक्रोप्लास्टिक मिलने के मामले भी सामने आ रहे हैं।

वागेश्वर-अल्मोड़ा में नदियों में विसर्जित की गईं प्रतिमाएं

बागेश्वर में सरयू और गोमती नदी के संगम में बुधवार को भी मूर्तियां पूरी तरह नहीं घुल पाई। यहां भी पूजन सामग्री का कचरा बहता दिखा। चिंताजनक यह है कि यहां से बागेश्वर नगर और खरेही क्षेत्र के गांवों में पेयजल आपूर्ति होती है। इसी तरह अल्मोड़ा में कोसी संगम क्षेत्र में आठ प्रतिमाएं विसर्जित की गईं। वैज्ञानिक डा. डीएस रावत ने भी जहरीले रसायन से बनी मूर्तियों को नदी के जलीय जीवन के लिए खतरा बताया।

हल्द्वानी में मां दुर्गा की आराधना के बाद रानीबाग की गौला नदी में श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ मां की प्रतिमा का विसर्जन किया, लेकिन नदी में बिखरे प्रतिमा के अवशेष आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण के सवाल भी छोड़ गए ● दीप बिष्ट 'बाबा'

पालीथिन में बांध कर गौला नदी में फेंकी गई पूजन सामग्री ● जागरण

वैकल्पिक विसर्जन का हो प्रबंध

जल मित्र वची सिंह बिष्ट कहते हैं कि मूर्ति विसर्जन के लिए वैकल्पिक इंतजाम होना चाहिए। इसके लिए प्रशासन नदियों से दूर एक स्थान का चयन करे। वहां पर पवित्र नदी का पानी उपलब्ध कराया जाए, ताकि वही मूर्ति विसर्जन किया जाए। इससे आस्था और पर्यावरण दोनों का संरक्षण हो सकेगा। उन्होंने कहा कि लोग पहले छोटी मूर्तियां बनाते थे और उनमें हल्दी, टेसू के फूल से बने प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब केमिकल का इस्तेमाल होता है। पीओपी तो आसानी से पानी में नहीं घुलता है। साथ ही जैविक कचरा नदियों में आक्सीजन की मात्रा को घटाता है। ऐसे में यह जलीय जंतुओं की मौत का कारण भी बनता है।

वची सिंह बिष्ट

रोक के बाद भी रानीबाग में किया गया मूर्ति विसर्जन

नैनीताल रोड पर लगने वाले जाम के मद्देनजर पिछले महीने रानीबाग में मूर्ति विसर्जन पर रोक लगा दी गई थी। इसकी जगह गौला बैराज के पास नया मूर्ति विसर्जन स्थल बनाया गया है। प्रशासन की ओर से इस बारे में संबंधित विभागों और आयोजकों को भी जानकारी दी गई थी। इसके बाद भी रानीबाग में मां दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन करने के लिए लोग पहुंचे।

जलीय जंतुओं की मौत होने से बनते हैं पाप के भागी

ज्योतिषाचार्य डा. नवीन जोशी कहते हैं कि सनातन धर्म में प्रकृति पूजा का महत्व है। ऐसे में हमें ऐसा कोई भी कृत्य नहीं करना चाहिए, जिसके चलते नदी प्रदूषित हो। वह बताते हैं कि मिट्टी, गोबर, लकड़ी आदि से छोटी मूर्ति ही बनाई जाती थी। यही नहीं पहाड़ों में नदियों में बहाने के बजाय उसके किनारे पेड़ के नीचे प्रतिमाएं रखी जाती थीं, लेकिन धीरे-धीरे दिखावा, हुल्लड़बाजी के चलते बड़ी-बड़ी केमिकलयुक्त मूर्तियां बनाकर नदियों में बहाई जाने लगी हैं। इससे जलीय जंतुओं की मौत भी होती है।

नवीन जोशी ● जागरण

सिंदूर खेला और धुनुची नृत्य के साथ मां दुर्गा को दी विदाई, महोत्सव संपन्न

- सिंदूर लगाकर महिलाओं ने दिया खुशहाली का संदेश
- मां दुर्गा का डोला हल्द्वानी से काठगोदाम गौला बैराज ले गए

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी: महादशमी पूजन के बाद सिंदूर खेला और धुनुची नृत्य के साथ ही बुधवार को मां दुर्गा को विदाई दी गई। इसके साथ ही दुर्गा महोत्सव का समापन हो गया।

बुधवार को पीलीकोठी के पास स्थित एक बैंक्वेट हाल में आयोजित दुर्गा महोत्सव में सिंदूर खेला गया। इसमें महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर उनके सुखद और मंगलमय विदाई की कामना की। इसके बाद एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर प्रेम, सौभाग्य और खुशहाली का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान धुनुची नृत्य ने भी उत्सव में चार चांद लगा दिए। इसके बाद मां दुर्गा का डोला काठगोदाम स्थित गौला बैराज तक ले जाया गया, जहां प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

मां दुर्गा की विदाई के साथ भक्तों ने ''आशचे बोछोर आबार होबे'' यानी ''अगले साल फिर होगा'' के भाव के साथ अगले वर्ष फिर मां के आगमन की आशा जताई। इधर, कठघरिया स्थित श्री रामकृष्ण धाम आश्रम में भी सिंदूर उत्सव के बाद प्रतिमा विसर्जन किया गया। पूरे दिन भर हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों में दुर्गा मां के विसर्जन को लेकर उत्साह नजर आया। महिलाओं ने मां से मन्नतें भी मांगी।

दुर्गा पूजा के अवसर पर हल्द्वानी के पीलीकोठी स्थित निजी बैंक्ट हाल में बुधवार को दुर्गा पूजन के दौरान एक-दूसरे को सिंदूर लगातीं बंगाली समाज की महिलाएं ● जागरण

हल्द्वानी में बुधवार को दुर्गा पूजन के दौरान देवी को तिलक लगातीं महिला ● जागरण

छेना समेत चार खाद्य पदार्थ के नमूने लिए

हल्द्वानी : दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी तेज कर दी है। विभाग ने बुधवार को नैनीताल जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पांच खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं।

इनमें छेना, चायपत्ती, गुलाब जामुन, चने और ज्वार का आटा शामिल है। त्योहार के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग सतर्क है। जिलेभर में तैनात खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूने लेकर जांच के लिए भेज रहे हैं।

इस क्रम में बुधवार को जिले भर में विशेष अभियान चलाकर करीब पांच सैंपल लिए गए। इन सैंपलों को जांच के लिए रुद्रपुर स्थित राजकीय लैब में भेजा गया है। निरीक्षण के दौरान अधिकारी विभाग के 17 अक्टूबर के निर्देशों के क्रम में खुले में बिकने वाली मिठाइयों व बेकरी उत्पादों पर निर्माण और एक्सपायरी तिथि अनिवार्य रूप से अंकित करने के निर्देश दे रहे हैं। सहायक आयुक्त अजय सिंह रावत ने बताया कि रामपुर रोड स्थित दुकान पर मिठाई में कीड़े होने की सूचना मिली थी।

चौदह बरस राम बनवासी, भरत भुआल...

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : प्राचीन रामलीला मैदान में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के दिव्य चरित्र का मंचन अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। बुधवार को मंगलपड़ाव होली ग्राउंड में श्रीराम और भरत मिलाप की लीला का मंचन किया गया। इसके साथ ही रामलीला का विधिवत विश्राम हो गया।

होली ग्राउंड में भरत मिलाप और राम राज्याभिषेक की लीला का मंचन व्यास पुष्कर दत्त शास्त्री जी के निर्देशन में हुआ। उन्होंने भरत मिलाप की लीला के दौरान चौदह बरस राम बनवासी, भरत भुआल पुर बास उदासी... चौपई का वाचन किया, जिसका अर्थ है- पिता के वचन को निभाने के लिए राम वनवासी हुए। इधर, अयोध्या में राजा दशरथ के निधन के बाद भरत को राजगद्दी सौंपी गई, लेकिन उनका मन सत्ता में नहीं लगा। इसलिए उन्होंने राम चरण पादुकाओं को सिंहासन पर रखकर रामसेवक के तौर पर शासन किया। इसके बाद श्रीराम की अयोध्या वापसी के बाद राज्याभिषेक का मंचन किया गया। इसके बाद जय श्रीराम के जयकारों, पुष्पवर्षा और शंखनाद से पंडाल राममय हो गया। वहीं, मीडिया प्रभारी भवानी शंकर नीरज ने बताया कि शुक्रवार को शहर में भगवान राम की राज्याभिषेक शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान गोपाल पाल, मनोज गुप्ता, विवेक कश्यप, अतुल अग्रवाल, पंकज कपूर रहे।

दिन की रामलीला में भरत मिलाप की लीला का मंचन करते कलाकार ● जागरण

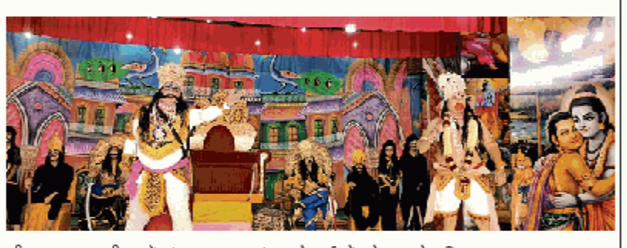

शीशमहल रामलीला में अंगद- रावण संवाद ने दर्शकों को मन मोह लिया ● जागरण

प्रभु का दूत हूं मुझे क्या डर... : शीशमहल रामलीला मैदान में बुधवार को रामलीला का प्रारंभ रावण-अंगद के तीखे संवाद से हुआ जिसमें अंगद ने रावण को प्रभु श्रीराम की शरण में जाने की सीख दी। इसके बाद लक्ष्मण और मेघनाद के भीषण युद्ध का मंचन हुआ, जिसमें शक्ति बाण लगने से लक्ष्मण मूर्छित हो गए।

मीडिया प्रभारी कमल पपनै ने बताया कि आज कुंभकर्ण, मेघनाद व रावण वध के साथ पुतला दहन होगा। बुधवार की लीला का शुभारंभ मुख्य अतिथि कांग्रेस के हल्द्वानी महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, समिति अध्यक्ष मनोज कुमार तिवारी, रजत गर्ग, पार्षद मुकुल बल्यूटिया, लाल सिंह पंवार ने किया।

स्वयंसेवकों ने किया कदमताल सामाजिक समरसता पर जोर

हल्द्वानी : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयादशमी उत्सव के क्रम में काठगोदाम व शीशमहल क्षेत्र में पथ संचलन किया। शीशमहल रामलीला मैदान में हुए आयोजन में प्रांत संघचालक डा. बहादुर सिंह बिष्ट ने विजयादशमी के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। यहां जिला संघचालक डा. नीलांबर भट्ट, राजेश आदि रहे। (जासं)

NOTICE
THE HIGH COURT OF UTTARAKHAND AT NAINITAL
WRIT PETITION (M/S) NO. 3109 OF 2026
(Under Article 226 of the Constitution of India)
District-Nainital
Shri Gurudwara Gurunanakpura Prabandhak Samiti -----Petitioner
Versus
State of Uttarakhand & others
----Respondents
Notice to Respondent No.4- Gurjeet Singh, Male, Aged adult, S/o Not known, R/o Gurunanakpura, Haldwani, District Nainital.
Whereas the above-named petitioner has/have made a writ petition in this Hon'ble Court.
You are hereby inform to appear in this court in person or through counsel duly instructed in by you on. 29/10/26 Dated) In the forenoon, to answer in the matter failing which the said writ petition will be heard and determined in your absence.
Given under my hand and the seal of the court on 14th day of October 2026.
By order of Court
Deputy Registrar (J.)
High Court of Uttarakhand, Nainital.

Graphic Era Hill University
HALDWANI CAMPUS

प्रस्तुत करता है

THE ECO FEST 2026

In Collaboration with

दैनिक जागरण

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी कैंपस,
दैनिक जागरण के सहयोग से आयोजित कर रहा है

THE ECO FEST '26

23th अक्टूबर 2026

जहाँ स्कूली विद्यार्थी अपनी रचनात्मकता,
नवाचार और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करेंगे।

स्थान:
ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी परिसर

ॐ शांति **पीपलपानी संस्कार** ॐ शांति

मान्यवर, अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना है कि मेरे पति **श्री हयात सिंह बिष्ट** का स्वर्गवास सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 को हो गया है। **पीपलपानी संस्कार शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026 को दिन के 01:00 बजे हमारे निवास स्थान** पर होगा। अतः निवेदन है कि पितृ प्रसाद ग्रहण करने हेतु पधारने की कृपा करें।

निवेदक -

शोकाकुल : मनोज बिष्ट, विनोद बिष्ट, विरेन्द्र सिंह बिष्ट (पुत्र), नीना बिष्ट पत्नी स्व. जे.सी.एस. बिष्ट (बहु), गोविन्द सिंह बिष्ट-रेखा बिष्ट (भाई-बहु), मनोरमा बिष्ट (बहिन), नरेश बिष्ट (भाई), राकेश सिंह बिष्ट, रजनी बिष्ट (भाई-बहु), लता क्वीरा-अभय क्वीरा (पुत्री एवं दामाद), प्रभा बिष्ट-कर्नल गोविन्द सिंह बिष्ट (बहिन एवं बहनोई)

हेमलता बिष्ट
पीपलपोखरा नं0 2,
फतेहपुर, हल्द्वानी।
मो0 9411717200
9412035844

पीपलपानी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे परम पूज्य पिताजी **श्री ललित मोहन पाटनी** का आकस्मिक **निधन दिनांक 12.10.2026** को हो गया है। जिनका **पीपलपानी दिनांक 23.10.2026** दिन शुक्रवार को ए 20, निलयम कॉलोनी, देवलचौड़ हल्द्वानी में होगा।

शोकाकुल- भगवती पाटनी (पत्नी), पवन पाटनी (पुत्र) एवं समस्त पाटनी परिवार।

श्रद्धांजलि

आपकी स्मृतियाँ सदा हमारे हृदय में ज्योति की तरह प्रकाशित रहेंगी। आपसे निवेदन है कि इस अवसर पर उपस्थित होकर पितृ प्रसाद ग्रहण करने की कृपा करें। इस सूचना को ही व्यक्तिगत बुलावा मानकर पधारने का कष्ट करें।

पीपलपानी कार्यक्रम
दिनांक: 23 अक्टूबर 2026 (शुक्रवार)
समय: दोपहर 1 बजे से
स्थान: दयाल विहार, फेस-2 हरीपुर नायक (कुसुमखेड़ा) हल्द्वानी, उत्तराखण्ड

स्वर्गीय श्री गोकुल जोशी
जन्म: 14 नवम्बर 1972
देहावसान: 12 अक्टूबर, 2026

शोकाकुल परिवार - सुशीला जोशी (पत्नी), अपूर्वी जोशी, दिव्यांशी जोशी (पुत्रियां), सुरेश जोशी, अन्नित जोशी, दीप जोशी, हिमेश जोशी, गोविन्द जोशी, कमलेश जोशी, दिनेश जोशी, विवेक जोशी, गौरव जोशी। सम्पर्क- 9412035845, 8755217375

ॐ शांति - पीपलपानी संस्कार - ॐ शांति

मान्यवर अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना है कि मेरी पत्नी श्रीमती गोदावरी भंडारी का स्वर्गवास दिनांक 12 अक्टूबर, 2026 (सोमवार) को हो गया है। उनका पीपलपानी संस्कार दिनांक 23 अक्टूबर, 2026 (शुक्रवार) को अपरान्ह 1:00 बजे से हमारे निवास स्थान पर होगा। अतः निवेदन है कि पितृ प्रसाद ग्रहण करने हेतु दिनांक 23 अक्टूबर, 2026 को हमारे निवास स्थान पर पधारने की कृपा करें। कृपया इसे व्यक्तिगत बुलावे की मान्यता प्रदान करने का कष्ट करें।

24-06-1940 - 12-10-2026

शोकाकुल:- शैलेंद्र सिंह भंडारी एवं दीप्ति भंडारी, गजेन्द्र सिंह भंडारी एवं जागृति भंडारी, भावना भंडाल एवं धवल सिंह भंडाल, विरेन्द्र सिंह भंडारी एवं भावना भंडारी, एवम् समस्त भंडारी परिवार.

निवेदक:- त्रिलोक सिंह भंडारी, माधवी सदन, मलयनाथपुरम, बड़ी मुखानी, हल्द्वानी, मो. 9319940299.

दशहरा पर्व के अवसर पर रामलीला मंचन करते विद्यार्थी ● सौ. स्कूल प्रबंधन

मदर्स ग्लोरी में हुआ रामलीला का भव्य मंचन

हल्द्वानी: मदर्स ग्लोरी विद्यालय में दशहरा पर्व के अवसर पर विद्यार्थियों ने रामायण के प्रमुख प्रसंगों पर आधारित भव्य रामलीला का मंचन किया गया। कार्यक्रम में लक्ष्मण मूर्छा, राम का विलाप, मेघनाद वध, कुंभकर्ण वध और रावण वध जैसे महत्वपूर्ण प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रावण दहन रहा, जिसने पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया। रावण दहन के माध्यम से विद्यार्थियों को संदेश दिया गया कि अहंकार, अन्याय और बुराई चाहे कितनी भी शक्तिशाली हो, अंततः सत्य और अच्छाई की ही विजय होती है। (विज्ञप्ति)

कालाढूंगी में श्रीराम दरबार के साथ रामलीला का समापन, रावण दहन देखने उमड़े दर्शक

अयोध्या में पहुंचने पर भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ ● जागरण

कालाढूंगी : आदर्श नवयुवक श्रीरामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला मंचन के 13वें दिन मेघनाथ वध, रावण वध और श्रीराम दरबार की लीलाओं के साथ रामलीला का समापन हुआ। मंगलवार रात आयोजित कार्यक्रम में रावण के पुतले का दहन आकर्षण का केंद्र रहा। रावण वध होते ही पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। रामलीला के अंतिम दिन भगवान श्रीराम की विजय और धर्म की अधर्म पर जीत का दृश्य देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। वहीं, मुख्य अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान दिया गया। रामलीला मंचन देखने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्तिमय माहौल बना रहा। इस मौके पर कमेटी अध्यक्ष कमल सती, महामंत्री हरीश मेहरा, कोषाध्यक्ष पुष्कर खनायत, कैलाश कुधलाकोटी रहे। (जासं)

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

शाखा : क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, प्रथम तल क्षेत्रीय कार्यालय, रुद्रपुर, गाबा चौक के पास, काशीपुर रोड, रुद्रपुर- 263153 | **ई-नीलामी सूचना**

चल/अचल संपत्तियों की नीलामी सूचना "परिशिष्ट IV-A" 6(2) और/या 9(1) देखें

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुन: निर्माण तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ पठित 6(2) और/या 9(1) के अधीन बैंक को बंधक रखी चल/अचल संपत्तियों की ई-नीलामी

सर्वसाधारण को साधारणतया एवं ऋणी एवं जमानतदार को विशेषतया यह सूचना दी जाती है कि निम्न वर्णित संपत्ति बैंक ऑफ बड़ौदा के पारा बंधक है एवं जिराका कब्जा बैंक के सांबंधित प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया है एवं बैंक की बकाया राशि मय ब्याज, खर्चे एवं कीमत इत्यादि सहित वसूलने हेतु निम्न शर्तों एवं नियमों के अंतर्गत ई-नीलामी द्वारा विक्रय की जा रही है। निम्न वर्णित संपत्तियां "जहां है जैसी है एवं जो है जैसी है" के आधार पर ई-नीलामी के द्वारा विक्रय की जायेंगी। बकाएदार/जमानतदार/सम्पत्ति/यों का विवरण/बकाया धनराशि/रिजर्व प्राईज/ ई-नीलामी की तिथि एवं समय, आरक्षित मूल्य एवं न्यूनतम बोली की वृद्धि राशि का विवरण नीचे दिया गया है :-

क्र. सं.	ऋणी/गारन्टर का नाम व पता	चल/अचल सम्पत्ति का विवरण	रिजर्व प्राईज	दिनांक एवं ई-नीलामी के प्रारम्भ का समय	मांग सूचना की तिथि / कब्जे की तिथि / बकाया धनराशि
सरफासी ऐक्ट, 2002 के तहत बिक्री हेतु 15 दिन का कानूनी नोटिस					
1.	**1. मैसर्स श्री दयाल राइस मिल, द्वारा इसके पार्टनर्स :-** (1) श्री राजकुमार पुत्र वीरभान, (2) स्वर्गीय श्री कवल नैन पुत्र वीरभान, द्वारा विभिन्न विधिक वारिसों, पता- ग्राम नवलपुर, गढ़ीनेगी, तहसील जसपुर, जनपद ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड- 244713 2. श्री राजकुमार पुत्र वीरभान (पार्टनर, मैसर्स श्री दयाल राइस मिल), पता- गढ़ीनेगी, गणेशनगर, काशीपुर, जिला- ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड- 244713 3. **स्वर्गीय श्री कवल नैन पुत्र वीरभान के विधिक वारिस, श्रीमती नीता सुधा पत्नी स्वर्गीय कवल नैन,** पता- वार्ड नं. 13, गढ़ीनेगी, गणेशनगर, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड- 244713 4. **स्वर्गीय श्री कवल नैन पुत्र वीरभान के विधिक वारिस, कु. स्मृति (नाबालिग) पुत्री स्वर्गीय श्री कवल नैन,** द्वारा इनकी माता एवं प्राकृतिक अभिभावक **श्रीमती नीता सुधा पत्नी स्वर्गीय कवल नैन,** पता- वार्ड नं. 13, गढ़ीनेगी, गणेशनगर, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड- 244713 5. **स्वर्गीय श्री कवल नैन पुत्र वीरभान के विधिक वारिस, कु. श्रुति (नाबालिग) पुत्री स्वर्गीय श्री कवल नैन,** द्वारा इनकी माता एवं प्राकृतिक अभिभावक **श्रीमती नीता सुधा पत्नी स्वर्गीय कवल नैन,** पता- वार्ड नं. 13, गढ़ीनेगी, गणेशनगर, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड- 244713 6. **स्वर्गीय श्री कवल नैन पुत्र वीरभान के विधिक वारिस, मास्टर अपूर्व (नाबालिग) पुत्र स्वर्गीय श्री कवल नैन,** द्वारा इनकी माता एवं **प्राकृतिक अभिभावक श्रीमती नीता सुधा पत्नी स्वर्गीय कवल नैन,** पता- वार्ड नं. 13, गढ़ीनेगी, गणेशनगर, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड- 244713 7. श्री विजय कुमार पुत्र श्री चिम्मन लाल, पता- गढ़ीनेगी, गणेशपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड- 244713	**₹ 2,65,00,000.00** **ईएमडी** **₹ 26,50,000.00** **न्यूनतम बोली की वृद्धि राशि** **₹ 25,000.00**	**07.11.2026** अपरान्ह 12:00 से सायं 05:00 **कब्जे का प्रकार** **भौतिक कब्जा**	**07.09.2024** **13.11.2024** **₹ 3,29,03,979.02** (रुपये तीन करोड़ उनतीस लाख तीन हजार नौ सौ उनासी एवं पैसे दो मात्र) । (अप्राप्त ब्याज) । अप्रयुक्त ब्याज + कानूनी शुल्क + अन्य शुल्क (दिनांक 31.07.2024 से प्रभावी) । यदि कोई हो तो कम वसूली

सम्पत्ति सं. 1:- बंधक अचल सम्पत्ति (एक भूखंड) के सभी भाग व हिस्से जो कि खसरा नं. 178, ग्राम- नवलपुर, तहसील- जसपुर, ऊधम सिंह नगर में स्थित है। सम्पत्ति वही नं. 1, जिल्द नं. 419, पृष्ठ सं. 135 से 148, क्रमांक सं. 1143, दिनांक 12.04.2016 के द्वारा श्री कवल नैन के नाम पर दर्ज है। रोल डीड के अनुसार सीमायें - पूरब में श्री सूरता सिंह की भूमि, पश्चिम में लगभग 20 फीट चौड़ी पक्का रोड, उत्तर में विक्रेता श्री यंद्र मोहन की भूमि, दक्षिण में विक्रेता राजकुमार की भूमि। कुल क्षेत्रफल 0.455 हेक्टेयर।

सम्पत्ति सं. 2:- बंधक अचल सम्पत्ति (एक भूखंड) के सभी भाग व हिस्से जो कि खसरा सं. 178 मिन., क्षेत्रफल 0.184 हे0 तथा खसरा सं. 181, क्षेत्रफल 0.271 हे0, कुल क्षेत्रफल 0.455 हे0, ग्राम- नवलपुर, तहसील- जसपुर, जिला- ऊधम सिंह नगर में स्थित है। सम्पत्ति वही नं. 1, जिल्द नं. 1442, पृष्ठ सं. 25 से 28, क्रमांक सं. 5363 दिनांक 04.08.2006 के द्वारा श्री राजकुमार के नाम पर दर्ज है। सेल डीड के अनुसार सीमायें - पूरब में श्री सुरता सिंह की आराजी, पश्चिम में चक रोड के बाद नहर, उत्तर में विक्रेता श्री प्रेम सिंह की आराजी, दक्षिण में चक रोड। **लीज डीड:-** सम्पत्ति उप-निबंधक जसपुर के कार्यालय में लीज डीड, बही सं. 1, जिल्द सं. 477, पृष्ठ सं. 23 से 46, क्रमांक सं. 3377, दिनांक 26.10.2016 को मैसर्स श्री दयाल राइस मिल के पक्ष में विधिवत पंजीकृत है। कुल क्षेत्रफल 0.910 हे0 अथवा 2.25 एकड़।

(1) खाता सं. 00025, खसरा सं. 178, क्षेत्रफल 0.184 हे0। (2) खसरा सं. 181, क्षेत्रफल 0.271 हे0। कुल क्षेत्रफल 0.455 हे0। उपरोक्त भूमि श्री राजकुमार द्वारा लीज पर दी गई है। (3) खाता सं. 00025, खसरा सं. 181, क्षेत्रफल 0.455 हे0, श्री कवल नैन द्वारा लीज पर दी गई है। लीज डीड अनुसार सीमायें- पूरब में श्री सूरता सिंह की संपत्ति, पश्चिम में सड़क, उत्तर में श्री चन्द्र मोहन की भूमि, दक्षिण में सड़क।

विक्रय के निबन्धन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htmtl एवं https://banknet.com देखें। बोली दाता प्राधिकृत अधिकारी, मो0-8477000519, 8477009621, से भी सम्पर्क कर सकते हैं। नोट : किसी भी त्रुटि या विवाद की स्थिति में इस नीलामी नोटिस का अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया दिनांक 22.10.2026 को प्रकाशित नोटिस मान्य होगा।

सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि व समय : 31.10.2026 को अपरान्ह 12 बजे से सायं 05:00 बजे तक

एतद्द्वारा कर्जदार/गारंटरों को अधिसूचित किया जाता है कि वे उपरिवर्णित राशि का भुगतान अद्यतन ब्याज और अनुषंगी खर्चों सहित नीलामी की तिथि से पहले कर दें, जिसमें असफल रहने पर सम्पत्ति की नीलामी/बिक्री की जाएगी और बकाया राशि, यदि कोई, की वसूली ब्याज एवं लागत सहित की जाएगी।

नियम एवं शर्तों के लिए कृपया QR स्कैन करें

दिनांक : 21.10.2026 स्थान : बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, रुद्रपुर

प्राधिकृत अधिकारी